नव नियुक्त उद्यमी मित्रों को प्रशिक्षण के उद्देश्य से लखनऊ में उद्यमी मित्र प्रशिक्षण और इंडक्शन कार्यक्रम आज उत्तर प्रदेश की लखनऊ स्थित पंचायती राज प्रशिक्षण संस्थान में हुआ शुरू

लखनऊ, 11 नवंबर 2024: उत्तर प्रदेश की विकास गति को बढ़ावा देने और नवनियुक्त उद्यमी मित्रों को विषय ज्ञान और आवश्यक कौशल से सुसज्जित करने के लिए उत्तर प्रदेश सरकार ने लखनऊ के पंचायती राज प्रशिक्षण संस्थान में एक सघन उद्यमी मित्र प्रशिक्षण और इंडक्शन कार्यक्रम शुरू किया है। आज 11 नवंबर से 23 नवंबर तक चलने वाला यह कार्यक्रम राज्य में औद्योगिक विकास को प्रोत्साहित करने और शिक्षित युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर खोलने की दिशा में एक रणनीतिक पहल है, जिसमें उद्यमी मित्रों को उत्तर प्रदेश के आर्थिक विकास में उत्प्रेरक के रूप में स्थापित किया गया है। कार्यक्रम का शुभारंभ उत्तर प्रदेश सरकार के माननीय मुख्य सचिव श्री मनोज कुमार सिंह द्वारा दीप प्रज्वलन समारोह के साथ हुआ।

कार्यक्रम के प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए श्री मनोज कुमार सिंह ने भारत के सबसे अधिक जनसंख्या वाले राज्य के रूप में उत्तर प्रदेश की व्यापक संभावनाओं पर जोर दिया, जो देश के सकल घरेलू उत्पाद (GDP) में 9.2% का योगदान देता है। उत्तर प्रदेश की कृषि क्षमता को रेखांकित करते हुए उन्होंने बताया कि राज्य उन्नत सिंचाई सुविधाओं और उपजाऊ भूमि के बल पर फसल उत्पादन और कृषि निर्यात में देश में अग्रणी है। उन्होंने कहा, "माननीय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था को $1 ट्रिलियन के मानक तक पहुंचाने के अपने दृढ़ संकल्प में संकल्पित हैं।"

मुख्य सचिव ने नए उद्यमी मित्रों को निवेशकों की आवश्यकताओं को समझने और उन्हें प्राथमिकता देने पर जोर देने के लिए प्रोत्साहित किया, यह रेखांकित करते हुए कि उनकी भूमिका उत्तर प्रदेश को एक प्रमुख वैश्विक निवेश गंतव्य के रूप में स्थापित करने के प्रयासों को सशक्त बनाएगी। उन्होंने उन्हें राज्य में निवेशकों की सहायता के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ योगदान देने और सरकार तथा निवेशकों के बीच एक सशक्त संवाद सेतु बनने के लिए प्रेरित किया।

श्री मनोज कुमार सिंह ने कहा, "उत्तर प्रदेश संसाधनों का आदर्श संयोजन, अनुकूल वातावरण, सहायक नीतियाँ और इन्वेस्ट यूपी के माध्यम से एक सुव्यवस्थित निवेश नीति ढांचा प्रदान करता है, जो इसे औद्योगिक और कृषि-प्रसंस्करण इकाइयों के लिए एक आकर्षक स्थान बनाता है।"

उन्होंने उत्तर प्रदेश के बागपत में विश्व की सबसे बड़ी बेकरी कंपनी, ग्रुपो बिम्बो, की एक निर्माण इकाई स्थापित करने में राज्य सरकार के प्रयासों के बारे में भी बात की। यह निवेश राज्य के बदले हुए कारोबारी माहौल में वैश्विक निवेशकों के विश्वास का स्पष्ट प्रमाण है, जो कानून-व्यवस्था में सुधार और निवेशक अनुकूल नीतियों के कारण संभव हुआ है।

उन्होंने जोर दिया कि यह प्रशिक्षण उद्यमी मित्रों को सक्रिय कौशल और ज्ञान से सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण साबित होगा, जिससे वे निवेश संवर्धन को प्रभावी ढंग से आगे बढ़ा सकें और निवेशकों की समस्याओं का समाधान कर सकें। इसके परिणामस्वरूप, विदेशी प्रत्यक्ष निवेश (FDI) में वृद्धि की उम्मीद

है, जो राज्य के औद्योगिक विकास को तेज करेगा और उत्तर प्रदेश को आर्थिक विस्तार के एक नए मार्ग पर ले जाएगा।

लखनऊ के पंचायती राज प्रशिक्षण संस्थान में प्रशिक्षण और इंडक्शन कार्यक्रम के दौरान अपने दूरदर्शी संबोधन में, श्री अनिल कुमार सागर ने उत्तर प्रदेश को औद्योगिक विकास में वैश्विक नेता बनाने के लिए राज्य की साहसिक रूपरेखा का अनावरण किया।

श्री अनिल कुमार सागर ने कहा कि उत्तर प्रदेश मुख्यतः एक कृषि प्रधान अर्थव्यवस्था है और चावल, गेहूं, गन्ना और दूध उत्पादन में इसकी प्रमुखता है। उन्होंने राज्य के औद्योगिक विस्तार के लिए रणनीतिक कदमों का विवरण दिया, जिनकी जड़ें मेक इन इंडिया पहल और उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन (PLI) योजनाओं में हैं, जो विनिर्माण क्षेत्र को नई ऊंचाइयों पर ले जा रही हैं।

श्री अनिल कुमार सागर ने वैश्विक स्तर पर संरक्षणवादी उपायों और डब्ल्यूटीओ संरचनाओं में हो रहे सुधारों का उल्लेख करते हुए, सीमा पार व्यापार को सुविधाजनक बनाने में मुक्त व्यापार समझौतों (FTA) के महत्व पर जोर दिया। "मेक इन इंडिया" पहल का हवाला देते हुए, उन्होंने बताया कि कैसे उत्तर प्रदेश ने घरेलू विनिर्माण को बढ़ावा देने के लिए उत्पादन-लिंक्ड प्रोत्साहन (PLI) योजनाओं को अपनाया है।

श्री अनिल कुमार सागर ने एक विस्तृत प्रस्तुति में औद्योगिक विकास प्राधिकरणों की स्थापना का इतिहास बताया, जिसमें नोएडा, ग्रेटर नोएडा और YEIDA शामिल हैं, और इनकी उत्तर प्रदेश के परिवर्तन में भूमिका पर प्रकाश डाला। विशेष रूप से, ग्रेटर नोएडा एक प्रमुख आईटी और ITeS हब के रूप में उभरा है, जबकि YEIDA आगरा-दिल्ली एक्सप्रेसवे के साथ औद्योगिक विस्तार को बढ़ावा दे रहा है। उन्होंने बताया कि आगामी गंगा एक्सप्रेसवे परियोजना, जो एक प्रमुख सार्वजनिक-निजी भागीदारी (PPP) है, उत्तर प्रदेश की कनेक्टिविटी को मजबूत करेगी और राज्य भर में संतुलित विकास को सुविधाजनक बनाएगी।

इन्वेस्ट यूपी के सीईओ श्री अभिषेक प्रकाश ने नए उद्यमी मित्रों का इन्वेस्ट यूपी टीम में स्वागत करते हुए एक प्रेरणादायक संबोधन दिया। उन्होंने बताया कि नए उद्यमी मित्रों का बोर्डिंग यूपी सरकार और इन्वेस्ट यूपी द्वारा चलाए जा रहे रणनीतिक प्रयासों में एक महत्वपूर्ण कदम है, जो निवेशकों को हाथ पकड़कर समर्थन देने और राज्य को एक वैश्विक निवेश स्थल बनाने की दिशा में है। उन्होंने यह भी रेखांकित किया कि इन्वेस्ट यूपी ईमानदारी और पारदर्शिता के सिद्धांतों पर मजबूती से खड़ा है, और उद्यमी मित्रों को यूपी के $1 ट्रिलियन आर्थिक लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए एकजुट, लचीली टीम के रूप में काम करना होगा। उन्होंने नए नियुक्त उद्यमी मित्रों की जिम्मेदारियों, अपेक्षाओं और कर्तव्यों का विवरण भी दिया, जिन्हें उन्हें सर्वोत्तम मानकों के साथ पूरा करना होगा, साथ ही ईमानदारी के उच्चतम मानकों को बनाए रखना होगा।

श्री अभिषेक प्रकाश ने स्पष्ट किया कि उद्यमी मित्र पहल के तहत जिला स्तर पर औद्योगिक विकास प्राधिकरणों और इन्वेस्ट यूपी मुख्यालय के कार्यालयों में "उद्यमी मित्र" या प्रतिनिधियों को नियुक्त किया जाता है, जो निवेश परियोजनाओं को सुविधाजनक बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे और निवेशकों और राज्य सरकार के बीच आपसी संवाद का मुख्य स्तंभ होंगे। यह कार्यक्रम सरकार के उस उद्देश्य के अनुरूप

है, जिसका लक्ष्य एक अनुकूल व्यावसायिक माहौल विकसित करना है, जो घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय निवेशकों दोनों को समायोजित कर सके, और उद्यमी मित्र इस समर्थन नेटवर्क की रीढ़ के रूप में कार्य करेंगे।

उद्यमी मित्र प्रशिक्षण कार्यक्रम अब शुरू होने के साथ, उत्तर प्रदेश सरकार राज्य को एक प्रमुख वैश्विक निवेश गंतव्य में परिवर्तित करने, आर्थिक सशक्तिकरण को बढ़ावा देने और $1 ट्रिलियन अर्थव्यवस्था के लक्ष्य को प्राप्त करने के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को फिर से प्रकट करती है।